Jain Darshan Aur Sanskriti

Folder No.	006270
Granth Name	Jain Darshan Aur Sanskriti
Author	Mahapragna Acharya
Publisher	Jain Vishva Bharti Samsthan
Edition	4
Year	1998
Pages	286

जैन दर्शन और संस्कृति

फोल्डर नं.	००६२७०
ग्रन्थ	जैन दर्शन और संस्कृति
लेखक	महाप्रज्ञ आचार्य
प्रकाशक	जैन विश्वभारती संस्थान
आवृत्ति	४
प्रकाशन वर्ष	१९९८
पृष्ठ	२८६

मुख्य टाइटल
सम्बोध
प्राक् कथन
प्रकाशकीय
अनुक्रम
दर्शन
- दर्शन है सत्यं शिवं सुन्दरं की त्रिवेणी ---------- १
- आओ चलें अमूर्त विश्व की यात्रा पर ---------- २१
- अब निहारें परमाणु जगत् का ताण्डव नृत्य ---------- ३९
- पहले अण्डा या पहले मुर्गी ---------- ५६
- विश्व विकास और ह्रास ---------- ६८
- जन्म मृत्यु का चक्रव्यूह ---------- ८२
- मैं कौन हूँ ---------- ९०
- मैं हूँ भाग्य का निर्माता ---------- १२७
- जैन दर्शन का सापेक्षवाद स्याद्वाद ---------- १४९
- समन्वय का राजमार्ग नयवाद ---------- १५७

इतिहास और साहित्य
- भगवान् ऋषभ से पार्श्व तक ---------- १६५
- भगवान् महावीर और उनकी शिक्षाएँ ---------- १८१
- उत्तरकालीन परम्परा ---------- २०३
- जैन साहित्य संक्षिप्त परिचय ---------- २०७

संस्कृति
- जैन संस्कृति मूल आधार ---------- २२१
- जैन धर्म का प्रसार ---------- २२८
- चिन्तन के विकास में जैन आचार्यों का योग ---------- २४४

परिशिष्ट पारिभाषिक शब्दकोश ---------- २५७